भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3701
11 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: **राष्ट्रीय मखाना बोर्ड की स्थापना**

3701. श्री गोपाल जी ठाकुरः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का मुख्यालय दरभंगा, बिहार में स्थापित करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में वर्तमान स्थिति, प्रस्तावित समयावधि और कार्ययोजना का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि दरभंगा देश में एक प्रमुख मखाना उत्पादक क्षेत्र है, कि वहां राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र स्थित है, मखाना को 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) पहल के तहत चिह्नित किया गया है और जिले में रेल, राष्ट्रीय राजमार्ग और हवाई संपर्क सहित आवश्यक अवसंरचना उपलब्ध है तथा क्या सरकार का राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का मुख्यालय दरभंगा में स्थापित करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) और (ख): बिहार में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का गठन मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, विपणन और निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिनांक 14.09.2025 को किया गया था।

मखाना क्षेत्र के समग्र विकास में सहायता के लिए दिनांक 14.09.2025 को ₹476.03 करोड़ के परिव्यय के साथ मखाना विकास के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना को मंज़ूरी दी गई थी। इस योजना के तहत, राष्ट्रीय मखाना बोर्ड अनुमोदित वार्षिक कार्य-योजना (एएपी) के आधार पर राज्यों को वित्तीय सहायता जारी करता है।

(ग) और (घ): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की बागवानी सांख्यिकी इकाई द्वारा जारी किए दूसरे अग्रिम अनुमान (2025-26) के अनुसार, वर्ष 2025-26 में 60,000 मीट्रिक टन उत्पादन और 2.00 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर की औसत उत्पादकता के साथ, बिहार देश में मखाना का अग्रणी उत्पादक है। इसके मुख्य उत्पादक जिले कटिहार, पूर्णिया, मधुबनी, दरभंगा, सहरसा, सुपौल, अररिया, मधेपुरा और सीतामढ़ी हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)- राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र (एनआरसी) दरभंगा में स्थित है। यह संस्थान मखाना के उत्पादन, उत्पादकता, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और विपणन को बढ़ाने के लिए अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, क्षमता निर्माण और विस्तार संबंधी कार्य कर रहा है।

इसके अतिरिक्त, 'प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना' (पीएमएफएमई) के तहत 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) पहल के अंतर्गत स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए, दरभंगा सहित अररिया, कटिहार, मधुबनी, सुपौल और सहरसा जिलों के लिए मखाना को ओडीओपी उत्पाद के रूप में चुना गया है।

******